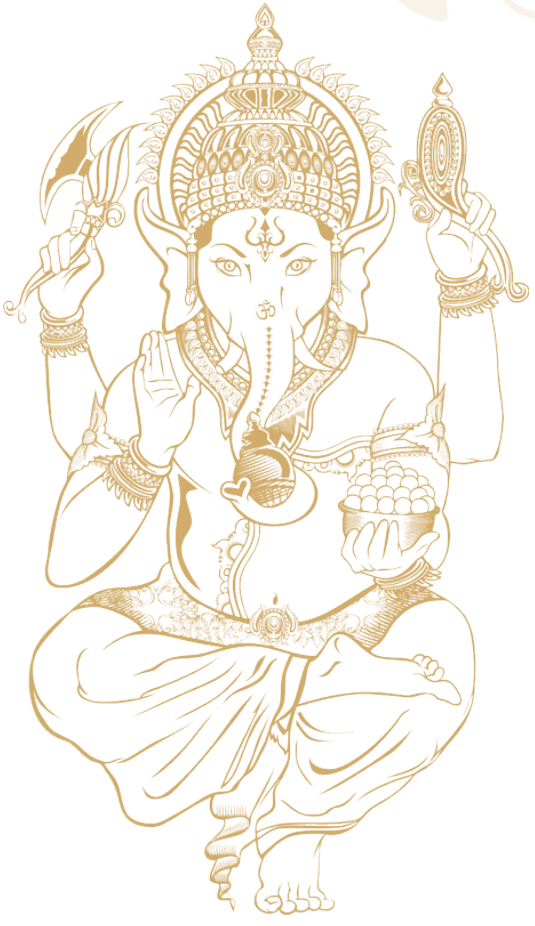

Yash pal singh

Kavyanjali Rathore

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121561103

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
16/04/1998	जन्म तिथि	25/12/2004
गुरुवार	दिन	शनिवार
घंटे 14:50:00	जन्म समय	15:58:00 घंटे
घटी 21:34:06	जन्म समय(घटी)	21:41:31 घटी
India	देश	India
Nathdwara	स्थान	Kishangarh
24:56:00 उत्तर	अक्षांश	27:52:00 उत्तर
73:49:00 पूर्व	रेखांश	76:41:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:34:44	स्थानिक संस्कार	-00:23:16 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:12:21	सूर्योदय	07:12:15
18:57:19	सूर्यास्त	17:34:51
23:49:52	चित्रपक्षीय अयनांश	23:55:28

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
बुध 10वर्ष 6मा 16दि	07:28:00	सिंह	लग्न	वृष	18:00:47	मंगल 5वर्ष 0मा 17दि
शुक्र	02:21:24	मेष	सूर्य	धनु	10:03:16	राहु
02/11/2015	21:43:42	वृश्चि	चंद्र	वृष	27:03:10	12/01/2010
02/11/2035	08:39:46	मेष	मंगल	वृश्चि	05:54:56	12/01/2028
शुक्र 03/03/2019	16:37:17	मीन व	बुध	वृश्चि	18:24:46	राहु 24/09/2012
सूर्य 03/03/2020	22:44:15	कुंभ	गुरु	कन्या	22:41:05	गुरु 17/02/2015
चन्द्र 01/11/2021	16:56:06	कुंभ	शुक्र	वृश्चि	16:58:00	शनि 24/12/2017
मंगल 02/01/2023	29:52:57	मीन	शनि व	कर्क	01:30:18	बुध 13/07/2020
राहु 01/01/2026	15:32:46	सिंह व	राहु व	मेष	06:14:17	केतु 31/07/2021
गुरु 01/09/2028	15:32:46	कुंभ व	केतु व	तुला	06:14:17	शुक्र 31/07/2024
शनि 02/11/2031	18:30:47	मक	हर्ष	कुंभ	09:44:32	सूर्य 25/06/2025
बुध 02/09/2034	08:14:31	मक	नेप	मक	19:42:45	चन्द्र 25/12/2026
केतु 02/11/2035	13:52:50	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	28:33:30	मंगल 12/01/2028

लग्न-चलित

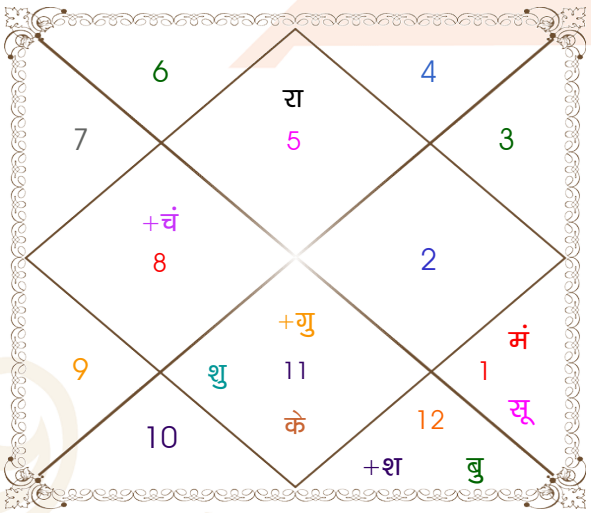

लग्न-चलित

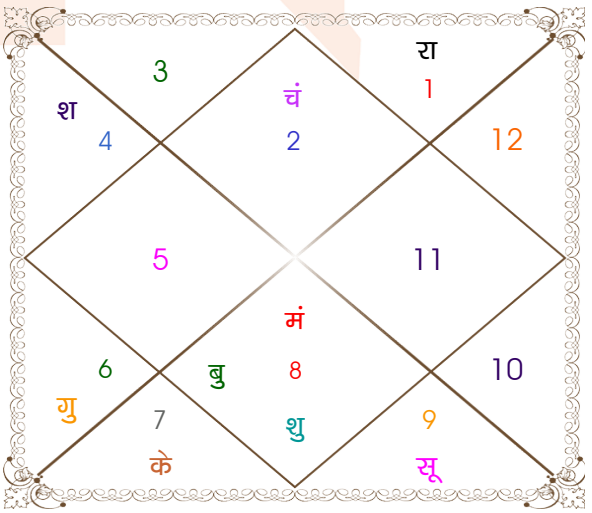

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	प्रत्यारि	साधक	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मृग	सर्प	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	शुक्र	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	वृष	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	24.50		

लैे चंस पदही का वर्ग मृग है तथा झंअलंदरंसप त्ंजीवतम का वर्ग मृग है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार लैे चंस पदही और झंअलंदरंसप त्ंजीवतम का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

लैे चंस पदही मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में नवम् भाव में स्थित है।

झंअलंदरंसप त्ंजीवतम मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल झंअलंदरंसप त्ंजीवतम कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

लैे चंस पदही तथा झंअलंदरंसप त्ंजीवतम में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।